शीओल और हेडिज़ क्या हैं?

बाइबल के मूल इब्रानी और यूनानी पाठ में इब्रानी शब्द *शीओल* और यूनानी शब्द *हेडिज़* 70 से ज़्यादा बार आते हैं। दोनों ही शब्दों का मौत के साथ ताल्लुक है। कुछ बाइबल अनुवादों में इन शब्दों का अनुवाद "कब्र," "नरक," या "गड्ढा" किया गया है। मगर ज़्यादातर भाषाओं में इन इब्रानी और यूनानी शब्दों का ठीक-ठीक अनुवाद करने के लिए शब्द नहीं हैं। इन शब्दों का असल में क्या मतलब है? आइए गौर करें कि बाइबल के अलग-अलग भागों में इनका इस्तेमाल कैसे किया गया है।

सभोपदेशक 9:10 कहता है: "अधोलोक [इब्रानी में, *"शीओल"*] में जहां तू जानेवाला है, न काम न युक्ति न ज्ञान और न बुद्धि है।" क्या शीओल का मतलब कोई खास कब्र है जहाँ हमने अपने किसी अज़ीज़ को दफनाया हो? नहीं। बाइबल में जहाँ किसी एक इंसान की कब्र का ज़िक्र किया गया है, वहाँ *शीओल* और *हेडिज़* नहीं बल्कि दूसरे इब्रानी और यूनानी शब्द इस्तेमाल किए गए हैं। (मत्ती 28:1) और बाइबल में ऐसी बड़ी कब्र को भी "शीओल" नहीं कहा गया है जिसमें कई लोगों को एक-साथ दफनाया गया हो, जैसे एक परिवार की कब्र। —उत्पत्ति 23:7-9; 49:30, 31.

तो फिर, "शीओल" कैसी जगह है? परमेश्वर का वचन दिखाता है कि "शीओल" या "हेडिज़" एक ऐसी जगह है, जो एक बड़े कब्रिस्तान से कहीं ज़्यादा बड़ी और विशाल है। ध्यान दीजिए, यशायाह 5:14 कहता है कि शीओल ने "अत्यन्त लालसा करके अपना मुंह बेपरिमाण पसारा है।" हालाँकि शीओल ने अब तक मरे हुए बेशुमार लोगों को मानो निगल लिया है, फिर भी ऐसा लगता है कि इसकी भूख नहीं मिटी। (नीतिवचन 30:15, 16) सचमुच का कब्रिस्तान कुछ हद तक ही मुरदों को अपने अंदर समा सकता है, मगर "अधोलोक [इब्रानी में, *"शीओल"*] . . . तृप्त नहीं हो[ता]।" (नीतिवचन 27:20) शीओल कभी भरता नहीं। इसकी कोई सीमाएँ नहीं हैं। यह दिखाता है कि शीओल या हेडिज़ सचमुच की कोई जगह नहीं है। इसके बजाय, यह सभी मुरदों की कब्र है, यानी ऐसी लाक्षणिक जगह जहाँ ज़्यादातर इंसान मौत की नींद सो रहे हैं।

बाइबल की पुनरुत्थान की शिक्षा से, "शीओल" और "हेडिज़" का मतलब और अच्छी तरह समझ में आता है। परमेश्वर का वचन दिखाता है कि जो इंसान

मरने के बाद शीओल या हेडिज़ में जाता है, उसका पुनरुत्थान होगा।* (अय्यूब 14:13; प्रेरितों 2:31; प्रकाशितवाक्य 20:13) परमेश्वर का वचन यह भी दिखाता है कि शीओल या हेडिज़ में न सिर्फ वे लोग हैं जिन्होंने यहोवा की सेवा की थी, बल्कि ऐसे बहुत-से लोग भी हैं जिन्होंने उसकी सेवा नहीं की थी। (उत्पत्ति 37:35; भजन 55:15) इसलिए बाइबल सिखाती है कि "धर्मी और अधर्मी दोनों का जी उठना होगा।"—प्रेरितों 24:15.

---

* मगर जिन मरे हुओं का पुनरुत्थान नहीं होगा, उनके बारे में बताया गया है कि वे शीओल या हेडिज़ में नहीं बल्कि "गेहन्ना" में हैं। (मत्ती 5:30; 10:28; 23:33 में गेहन्ना को हिंदी बाइबल में "नरक" अनुवाद किया गया है।) शीओल या हेडिज़ की तरह गेहन्ना भी सचमुच की कोई जगह नहीं है।